हिंदी (ऐच्छिक) कोड संख्या (002)
प्रतिदर्श प्रश्न पत्र*
कक्षा – बारहवीं (2025–26)

निर्धारित समय : 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश –

- इस प्रश्न–पत्र में तीन खंड हैं – **खंड– क, ख और ग।**
- दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- तीनों खंडों के कुल 13 प्रश्न हैं। तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

प्रश्न	**खंड – क (अपठित बोध)**	**18 अंक**
1.	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–	10
	सभ्य होने की प्रक्रिया मानवता की सबसे अच्छी उपलब्धि है। इससे हम उन लक्षणों को चिह्नित कर लेते हैं, जो हमारे आदर्शों को सुचारु रूप से कार्य करने में बाधित करते हैं। कोई भी, जो इस प्रक्रिया से नहीं गुजरता, 'पिछड़ा' ही रहता है और सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं बना पाता। विभिन्न गुणों को मिलाकर एक पूर्ण मानव का जन्म होता है। लेकिन हमारी संस्कृति यह चाहती है कि हम एक निश्चित तरीके से जीवन जिएँ, जो कि हमारी स्वयं की प्रकृति का एक छोटा सा स्वरूप होता है। इस प्रकार हमारी प्रकृति और जो कुछ हम हैं, उसके शेष भाग को नकार देते हैं। हम स्वयं को अपने स्वार्थ और परछाईं में बाँट लेते हैं, क्योंकि हमारी संस्कृति हमें एक विशिष्ट प्रकार से जीने के लिए ज़ोर देती है। ज्ञान का भंडार पा लेने के बाद वर्षों की सभ्यता से शायद यही हमें विरासत में मिला है। पूरे समाज के जीवन जीने के तरीके को संस्कृति कहते हैं। इसमें सम्मिलित हैं– आचरण के तरीके, पहनावा, भाषा, धर्म, परंपराएँ, व्यवहार के तरीके तथा विचारों से विश्वास बनने की प्रणाली। हमारे अंदर छिपे साधारण मानव को हमसे दूर करके संस्कृति हमें एक जटिल सी शक्ति दे देती है। **स्रोत – डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, पुस्तक–विजयी भव से साभार**	
(क)	संस्कृति शब्द को परिभाषित किया जा सकता है:– (i) सभ्य और संस्कारी होना (ii) उपलब्धियों की प्राप्ति (iii) आदर्शों के साथ जीवन (iv) सामाजिक प्रतिष्ठित शैली	1

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

(ख)	निम्नलिखित प्रश्न को पढ़कर नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए :- लेखक के अनुसार संस्कृति के तत्त्व हैं :- (I) सभ्य होना (II) भाषा, धर्म एवं परम्पराएँ (III) ख़ुद को स्वार्थ और परछाई में बाँट लेना (IV) व्यवहार की शैली, पहनावा गद्यांश के अनुसार कौन-सा/ से कथन सही हैं? (i) केवल कथन (I) सही है। (ii) केवल कथन (II) और (IV) सही हैं। (iii) केवल कथन (I) और (II) सही हैं। (iv) केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।	1
(ग)	पिछड़े हुए समाज का आधारभूत लक्षण माना जा सकता है :- (i) असभ्य होना (ii) स्वार्थी होना (iii) सुदृढ़ परंपरा (iv) साधारण मानव	1
(घ)	मानव की सर्वोत्तम उपलब्धि क्या है ?	1
(ङ)	हमारी संस्कृति हमसे से क्या अपेक्षा रखती है?	2
(च)	हमें संस्कृति शक्ति कैसे प्रदान करती है?	2
(छ)	हम स्वयं को अपने स्वार्थ और परछाईं में क्यों बाँट लेते हैं?	2
2.	निम्नलिखित कविता के अंश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-	8
	क़लम अपनी साध, और मन की बात बिलकुल ठीक कह एकाध। यह कि तेरी-भर न हो तो कह, और बहते बने सादे ढंग से तो बह। जिस तरह हम बोलते हैं, उस तरह तू लिख, और इसके बाद भी हमसे बड़ा तू दिख। चीज़ ऐसी दे कि जिसका स्वाद सिर चढ़ जाए बीज ऐसा बो कि जिसकी बेल बन बढ़ जाए। फल लगें ऐसे कि सुख-रस, सार और समर्थ प्राण-संचारी कि शोभा-भर न जिनका अर्थ। टेढ़ मत पैदा करे गति तीर की अपना, पाप को कर लक्ष्य, कर दे झूठ को सपना।	

	विंध्य, रेवा, फूल, फल, बरसात या गर्मी, प्यार प्रिय का, कष्ट-कारा, क्रोध या नरमी, देश या कि विदेश, मेरा हो कि तेरा हो हो विशद विस्तार, चाहे एक घेरा हो, तू जिसे छू दे दिशा दिशा कल्याण हो उसकी, तू जिसे गा दे सदा वरदान हो उसकी। कवि- 'भवानी प्रसाद मिश्र '	
(क)	कविता में 'कलम' किसका प्रतीक है ? (i) कवि (ii) हथियार (iii) समाज की आवाज़ (iv) कवि के विचार	1
(ख)	'जिस तरह हम बोलते हैं, उस तरह तू लिख' पंक्ति में कवि क्या संदेश देना चाहते हैं? (i) सरल भाषा में लिखना (ii) सच्चाई को उजागर करना (iii) बोली की भाषा में लिखना (iv) सामान्य जन के भाव लिखना	1
(ग)	किन पंक्तियों में लेखनी को असत्य और अन्याय के विरुद्ध लिखने की बात कह रहे हैं? (i) चीज़ ऐसी दे कि जिसका स्वाद सिर चढ़ जाए (ii) पाप को कर लक्ष्य कर दे झूठ को सपना। (iii) टेढ़ मत पैदा करे गति तीर की अपना (iv) प्राण-संचारी कि शोभा-भर न जिनका अर्थ।	1
(घ)	कविता में प्रकृति और मानवीय भावनाओं का समन्वय कैसे किया गया है ?	1
(ङ)	कविता में कलम से किन बीजों को बोने और चढ़ने की बात कही है ?	2
(च)	कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ?	2
	खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)	**22 अंक**
3.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -	5
(क)	एंकर-विजुअल क्या है? (शब्द सीमा - लगभग 20 शब्द)	1
(ख)	टेलीविज़न समाचार की भाषा पर टिप्पणी कीजिए। (शब्द सीमा-लगभग 40 शब्द)	2
(ग)	मीडिया की भाषा में बीट से क्या तात्पर्य है ? (शब्द सीमा - लगभग 40 शब्द)	2
4.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए -	2x3=6

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

(क)	विशेष लेखन की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।	3
(ख)	फीचर लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? लिखिए।	3
(ग)	समाचार लेखन की विशेष शैली का वर्णन कीजिए।	3
5.	निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -	5
(क)	जैसे ही मैं बस में चढ़ा /चढ़ी	
(ख)	कोहरे की वह सुबह	
(ग)	जब मैं आम के पेड़ पर चढ़ा /चढ़ी	
6.	निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए-	2x3=6
(क)	कविता में बिंब और छंद के महत्व को स्पष्ट कीजिए।	3
(ख)	कहानी के क्लाइमेक्स का चित्रण ध्यानपूर्वक क्यों करना चाहिए ?	3
(ग)	नाटक का मात्र एक मौन, अंधकार या ध्वनि प्रभाव, कहानी या उपन्यास के बीस-पच्चीस पृष्ठों की बराबरी कर सकता है। इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।	3
	खंड- ग (पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)	**40 अंक**
7.	निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए-	5x1=5
	यह दीप अकेला स्नेह भरा है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो। यह जन है- गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गाएगा ? पनडुब्बा - ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लाएगा ? यह समिधा - ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा । यह अद्वितीय - यह मेरा-यह मैं स्वयं विसर्जित - यह दीप, अकेला, स्नेह भरा है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो। यह मधु है - स्वयं काल की मौना का युग-संचय, यह गोरस-जीवन-कामधेनु का अमृत-पूत पय यह अंकुर-फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय, यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुतः इसको भी शक्ति को दे दो।	
(क)	दीप' किसका प्रतीक है ? (i) व्यक्ति (ii) समाज	1

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

	(i) प्रकाश (iv) परिवार	
(ख)	निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। **कथन** - यह गोरस-जीवन-कामधेनु की मौना का युग-संचय। **कारण** - विश्वास रूपी दीपक अत्यधिक माधुर्य से भरा हुआ है। दीप जीवन रूपी कामधेनु द्वारा प्रदत्त अमृत तुल्य पवित्र दूध के समान है। (i) कथन गलत है, किंतु कारण सही है। (ii) कथन और कारण दोनों गलत हैं। (iii) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। (iv) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
(ग)	पंक्ति' किसका प्रतीक है ? (i) कतार (ii) समष्टि (iii) व्यष्टि (iv) अहंकार	1
(घ)	'दीप का पंक्ति में विलय' का भाव है - दीप (i) की सत्ता का सार्वभौमीकरण । (ii) के अहंकार के मद को दूर करना । (iii) को पंक्ति में स्थान देना । (iv) के एकाकीपन को दूर करना।	1
(ङ)	पनडुब्बा से आप क्या समझते हैं ? (i) गोताखोर (ii) बड़ी मछली (iii) तैरने वाले पक्षी (iv) पाल वाली नाव	1
8.	काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए-	2x2=4
(क)	देवसेना की हार या निराशा के क्या कारण हैं?	2
(ख)	'सरोज स्मृति' कविता में सरोज के विवाह को अन्य विवाहों से भिन्न कहने का कारण स्पष्ट कीजिए।	2
(ग)	भरत के किन उद्गारों से उनका राम के प्रति श्रद्धाभाव प्रकट होता है, स्पष्ट कीजिए।	2
9.	निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या 100 शब्दों में कीजिए।	6
(क)	सुनते हैं मिट्टी में रस है जिससे उगती दूब है अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है आधे आधे गाने	

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

	तोड़ो तोड़ो तोड़ो ये ऊसर बंजर तोड़ो ये चरती परती तोड़ो सब खेत बनाकर छोड़ो मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज को? गोड़ो गोड़ो गोड़ो	
	अथवा	
(ख)	के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास । हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास ।। एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए । सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पति आए ।। मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल । गोकुल तजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल ।। सखि हे, कि पुछसि अनुभव मोए।	
10.	निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए -	5x1=5
	ये लोग आधुनिक भारत के नए 'शरणार्थी' हैं, जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात ने घर-ज़मीन से उखाड़कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है। प्रकृति और इतिहास के बीच गहरा अंतर है। बाढ़ या भूकंप के कारण लोग अपना घरबार छोड़कर कुछ अरसे के लिए बाहर चले जाते हैं, किंतु आफत टलते ही वे दोबारा अपने जाने-पहचाने परिवेश में लौट भी आते हैं। किंतु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है, तो वे फिर अपने घर वापस नहीं लौट सकते। आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ़ मनुष्य ही नहीं उखड़ता, बल्कि उसका परिवेश और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं। एक भरे-पूरे ग्रामीण अंचल को कितनी नासमझी और निर्ममता से उजाड़ा जा सकता है। सिंगरौली इसका ज्वलंत उदाहरण है। अगर यह इलाका उजाड़ रेगिस्तान होता तो शायद इतना क्षोभ नहीं होता; किंतु सिंगरौली की भूमि इतनी उर्वरा और जंगल इतने समृद्ध हैं कि उनके सहारे शताब्दियों से हजारों वनवासी और किसान अपना भरण-पोषण करते आए हैं।	

कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।

(क)	गद्यांश का वर्ण्य विषय है – (i) विस्थापन की समस्या (ii) वन–संपदा की विशेषता (iii) औद्योगीकरण विकास का पक्ष (iv) ग्रामीण अंचल की उपयोगिता	1
(ख)	भरे–पूरे ग्रामीण अंचल को नासमझी से उजाड़ने का कारण है– (i) अनुदारता (ii) समरूपता (iii) स्वार्थलोलुपता (iv) असामाजिकता	1
(ग)	गद्यांश में किस गाँव के नष्ट होने की बात की गई है – (i) रेगिस्तान (ii) नवागाँव (iii) आधुनिक (iv) सरौली	1
(घ)	आधुनिक भारत के नए शरणार्थी हैं – (i) लेखक और उनके मित्र (ii) दूसरे देशों से आए लोग (iii) अपने मूल स्थान से उजड़े लोग (iv) विकास की दौड़ के प्रतिभागी	1
(ङ)	निम्नलिखित कथन–कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। **कथन –** अगर यह इलाका उजाड़ रेगिस्तान होता तो शायद इतना क्षोभ नहीं होता। **कारण** – रेगिस्तान में जनजीवन की बसावट नहीं होती इसलिए लेखक की चिंता और व्याकुलता उसके प्रति नहीं है। (i) कथन गलत है, किंतु कारण सही है। (ii) कथन और कारण दोनों गलत हैं। (iii) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। (iv) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1

11	गद्य खंड पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए-	2x2=4
(क)	भारतेंदु जी के मकान के नीचे का परिचय बहुत शीघ्र गहरी मैत्री में परिणत हो गया।' पाठ के आधार पर लिखिए।	2
(ख)	'दूसरा देवदास' कहानी के आधार पर लिखिए कि पुजारी ने संभव और पारो को 'युगल' समझकर आशीर्वाद क्यों दिया?	2
(ग)	अराफ़ात द्वारा 'अतिथि देवो भवः' परंपरा का वहन किया जा रहा था। पाठ के आधार पर लिखिए।	2
12.	निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या 100 शब्दों में कीजिए।	6
(क)	एक मिल मालिक के दिमाग में अजीब-अजीब खयाल आया करते थे जैसे सारा संसार मिल हो जाएगा, सारे लोग मज़दूर और वह उनका मालिक या मिल में और चीजों की तरह आदमी भी बनने लगेंगे, तब मज़दूरी भी नहीं देनी पड़ेगी, वगैरा-वगैरा। एक दिन उसके दिमाग में खयाल आया कि अगर मज़दूरों के चार हाथ हों तो काम कितनी तेज़ी से हो और मुनाफ़ा कितना ज़्यादा। लेकिन यह काम करेगा कौन ? उसने सोचा, वैज्ञानिक करेंगे, ये हैं किस मर्ज़ की दवा। उसने यह काम करने के लिए बड़े वैज्ञानिकों को मोटी तनख्वाहों पर नौकर रखा और वे नौकर हो गए। कई साल तक शोध और प्रयोग करने के बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि ऐसा असंभव है कि आदमी के चार हाथ हो जाएँ।	
	अथवा	
(ख)	यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है। इसीलिए यह इतना आकर्षक है। नाम है कि हजारों वर्ष से जीता चला आ रहा है। कितने नाम आए और गए। दुनिया उनको भूल गई, वे दुनिया को भूल गए। मगर कुटज है कि संस्कृति की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है। और रूप की तो बात ही क्या है! बलिहारी है इस मादक शोभा की। चारों ओर कुपित यमराज के दारुण नि:श्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है। और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है।	
13.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।	2x5=10
(क)	'तो हम भी सौ लाख बार बनाएँगे' सूरदास के इस कथन में निहित जीवन मूल्यों को स्पष्ट करते हुए कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।	5
(ख)	हमारी आज की सभ्यता नदियों के प्रति उदासीन है। 'अपना मालवा खाऊ-उजाडू सभ्यता में' पाठ के आधार पर कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।	5

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

(ग)	'बिस्कोहर की माटी' नामक पाठ हमें प्रकृति की ओर लौटने का संदेश देता है। इससे आप कितना सहमत हैं? पाठ के आलोक में स्पष्ट कीजिए।	5

>>>

**कृपया ध्यान दें, शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मूल्यांकन योजना वर्तमान सत्र अर्थात 2025-26 में भी जारी रहेगी।*

अंक योजना
प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2025-26
हिंदी (ऐच्छिक)
कोड संख्या (002)
कक्षा–बारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न	खंड – क (अपठित बोध)	अंक
1. (क)	(iv) सामाजिक प्रतिष्ठित शैली	1
(ख)	(ii) केवल कथन (II) और (IV) सही हैं।	1
(ग)	(i) असभ्य होना	1
(घ)	सभ्य होने की प्रक्रिया	1
(ङ)	कि हम एक निश्चित तरीके से जीवन जिएँ, जो कि हमारी स्वयं की प्रकृति का एक छोटा सा स्वरूप होता है।	2
(च)	हमारे अंदर छिपे साधारण मानव को हमसे दूर करके संस्कृति हमें एक जटिल सी शक्ति दे देती है।	2
(छ)	क्योंकि हमारी संस्कृति हमें एक विशिष्ट प्रकार से जीने के लिए ज़ोर देती है। ज्ञान का भंडार पा लेने के बाद वर्षों की सभ्यता से शायद यही हमें विरासत में मिला है।	2
2. (क)	(iv) कवि के विचार	1
(ख)	(i) सरल भाषा में लिखना	1
(ग)	(ii) पाप को कर लक्ष्य कर दे झूठ को सपना।	1
(घ)	भवानी प्रसाद मिश्र ने प्रकृति और मानवीय भावनाओं को एक साथ पिरोया है। कलम को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम बनाया गया है, और कहा गया है कि वह जो भी लिखे, वह सच्चा और सार्थक हो। कविता में प्रकृति के विभिन्न तत्वों (विंध्य, रेवा, फूल, फल, बरसात, गर्मी) और मानवीय भावनाओं (प्यार, कष्ट, क्रोध, नरमी) को एक साथ लाकर जीवन की समग्रता को दर्शाया गया है।	1

(ङ)	कवि सृजनात्मकता का महत्व बता रहे हैं। यहाँ बीज से तात्पर्य विचारों से है। विचार इतने गहन और सार्थक हों कि वे व्यापक रूप से फैलें और समाज में बदलाव लाएँ।	2
(च)	मनोभावों को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्ति प्रदान करना एवं समाज में आवश्यक परिवर्तन लाना।	2
	खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)	
3. (क)	• जब घटना के दृश्य या विजुअल मिल जाते हैं तब उन दृश्यों के आधार पर खबर लिखी जाती है, जो एंकर पड़ता है पूर्ण विराम पढ़ता है. इस खबर की शुरुआत प्रारंभिक सूचना से होती है और बाद में कुछ वाक्यों पर प्राप्त दृश्य दिखाए जाते हैं।	1
(ख)	• सरल, सहज, गरिमापूर्ण भाषा • तारतम्यता आवश्यक • निम्नलिखित, उपरोक्त, क्रमांक, अथवा, किंतु, परंतु जैसी शब्दावली से बचाव • गैर ज़रूरी विशेषणों, सामासिक और तत्सम शब्दों से बचाव	2
(ग)	• संवाददाताओं के बीच काम का विभाजन आमतौर पर उनकी दिलचस्पी और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। मीडिया की भाषा में इसे बीट कहते हैं। उदाहरण के लिए खेल में रुचि रखने वाले संवाददाता की बीट खेल है तो उसको खेल संबंधी घटनाओं की रिपोर्टिंग करनी होगी।	2
4. (क)	• सरल और बोधगम्य • क्षेत्र विशेष का विशिष्ट ज्ञान • तकनीकी शब्दावली में विषय से संबंधित भाषा पर अधिकार • तकनीकी शब्दावली को भी प्रचलित सरल शब्दों में लिखना	2x3=6
(ख)	• फ़ीचर लेखन का कोई निश्चित ढाँचा नहीं • आमतौर पर तथ्यों, सूचनाओं और विचारों पर आधारित कथात्मक विवरण • भाषा-सरल, रूपात्मक एवं आकर्षक • फ़ीचर में भावनाओं, विचारों का सम्यक प्रयोग	
(ग)	• उलटा पिरामिड शैली समाचार लेखन की सर्वाधिक लोकप्रिय उपयोगी और बुनियादी शैली इसमें इंट्रो, बॉडी और समापन के अनुसार क्लाइमेक्स आरंभ में	
5.	किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन -	5

	• विषयवस्तु : 3 अंक • भाषा : 1 अंक • प्रस्तुति : 1अंक	
6. (क)	किन्ही दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 60 शब्दों में आपेक्षित - • बिंब और छंद (आंतरिक लय) • कविता को इंद्रियों से पकड़ने में सहायक • बाह्य संवेदनाओं का मन के स्तर पर बदलाव • विशेष शब्दों को सुनकर मन के भीतर चित्रों का कौंधना, इन्हीं के द्वारा कविता के बिंब का निर्माण	2x3=6 3
(ख)	कथानक के अनुसार कहानी चरम उत्कर्ष अर्थात क्लाइमेक्स की ओर बढ़ती है। चरम उत्कर्ष का चित्रण बहुत ध्यानपूर्वक करना चाहिए, क्योंकि भावों या पात्रों के अतिरिक्त अभिव्यक्ति चरम उत्कर्ष के प्रभाव को कम कर सकती है। कहानीकार की प्रतिबद्धता या उद्देश्य की पूर्ति के प्रति अतिरिक्त आग्रह कहानी को भाषण में बदल सकते हैं। सर्वोत्तम यह होता है कि चरम उत्कर्ष पाठक को स्वयं सोचने और लेखकीय पक्षधर की ओर आने के लिए प्रेरित करें लेकिन पाठक को यह भी लगे कि उसे स्वतंत्रता दी गई है और उसने जो निर्णय निकाले हैं, वे उसके अपने हैं।	3
(ग)	• नाटक कहानी या उपन्यास की तरह वर्णित विधा नहीं • नाटक में मौन, संक्षिप्त और सांकेतिक भाषा का महत्त्व • वर्णित भाषा से अधिक मौन में व्यंजनात्मकता व क्रियात्मकता अधिक	3
	खंड- ग (पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)	
7. (क)	(i) व्यक्ति	1
(ख)	(iv) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
(ग)	(ii) समष्टि	1
(घ)	(i) की सत्ता का सार्वभौमीकरण ।	1
(ङ)	(i) गोताखोर	1
8. (क)	किन्ही तीन प्रश्नो में से दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 40 शब्दों में आपेक्षित - हार/निराशा के कारण - • हूणों के आक्रमण में देवसेना के परिवार का नष्ट होना • स्कंदगुप्त से प्रेम में मिली असफलता • जीवन की विपरीत परिस्थितियों में मिली असफलता	2x2=4 2

(ख)	सरोज का विवाह अन्य विवाहों से भिन्न – • अन्य विवाहों की तरह सगे-संबंधी नहीं बुलाए गए • शादी से पहले के रीति-रिवाज़ इत्यादि नहीं हुए • माँ द्वारा निभाई जाने वाली रस्में भी निराला ने स्वयं निभाई	2
(ग)	राम के प्रति श्रद्धा भाव को प्रकट करने के लिए भरत ने कहा – • राम अपराधी पर भी क्रोध नहीं करते • भरत पर राम की विशेष कृपा व स्नेह • श्री राम और भरत का अटूट साथ • श्री राम के प्रति अनन्य श्रद्धा भाव	2
9.	किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में आपेक्षित – • संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) • प्रसंग :1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या :3 अंक • विशेष :1 अंक	6
10. (क)	(i) विस्थापन की समस्या	1
(ख)	(iii) स्वार्थलोलुपता	1
(ग)	(ii) नवागाँव	1
(घ)	(iii) अपने मूल स्थान से उजड़े लोग	1
(ङ)	(iv) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
11. (क)	किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में आपेक्षित – लेखक की भेंट पंडित केदारनाथ जी पाठक से काशी में एक बारात में हुई थी। लेखक केदारनाथ जी पाठक के पुस्तकालय में भी आया जाया करते थे। जब लेखक को पता चला कि केदारनाथ जी भारतेंदु जी से जब लेखक को यह पता चला कि केदारनाथ जी का परिचय भारतेंदु जी के साथ है तो वे भावनाओं में खो गए। वह बड़े कुतूहल भाव से भारतेंदु जी के मकान को निहारने लगे। उनकी यह भावुकता देखकर केदारनाथ जी प्रभावित हुए और वे दोनों के मित्र बन गए। यहीं से लेखक की हिंदी प्रेमियों की मंडली बननी शुरू हो गई और यह लेखक के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव था।	2x2=4 2
(ख)	हरिद्वार के मंदिर में संभव और पारो एक साथ प्रार्थना के लिए खड़े थे। पारो ने स्वयं के लिए 'हम' शब्द का प्रयोग किया जिसके कारण पंडित जी ने दोनों को पति-पत्नी समझा। पुजारी ने लड़की के 'हम' को युगल के अर्थ में सुखी रहने, फूलने-फलने, जब भी आना साथ ही आना, गंगा मैया मनोरथ पूरी करें का आशीर्वाद दिया।	2
(ग)	• भेदभाव रहित आतिथ्य सत्कार	

	• विनम्रता और सरलता • 'अतिथि देवो भव' की भावना • सेवाभाव	2
12.	किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में आपेक्षित - • संदर्भ : 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) • प्रसंग :1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या :3 अंक • विशेष :1 अंक	6
13. (क)	किन्ही दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 100 शब्दों में आपेक्षित - सूरदास जानता था कि उससे बदला लेने के लिए उसकी झोपड़ी में आग भैरव ने ही लगाई है। इस कथन के आलोक में सूरदास के चरित्र द्वारा विभिन्न जीवन मूल्य प्राप्त होते हैं। • सहनशीलता • कर्मशीलता • दृढ़ संकल्प • तुरंत निर्णय लेने की क्षमता जुझारूपन • विपरीत परिस्थितियों में हार न मानना	2x5=10 5
(ख)	आज की सभ्यता नदियों के प्रति उदासीन- • कारखाने के रसायन मिश्रित पानी को नदियों में बहाना • अपशिष्ट पदार्थ, प्लास्टिक की थैलियों के प्रयोग से नदियों के प्रवाह को बाधित करना • नदियों के रखरखाव और सफ़ाई के प्रति ध्यान न देना • नदियों का रूप बिगड़ना और नालों के समान दिखाई देना	5
(ग)	• रोचक शैली में ग्रामीण जीवन और प्राकृतिक परिवेश का वर्णन • वनस्पतियों, पेड़-पौधों, वन्य जीवों और फूलों की नाना प्रकार की किस्मों का परिचय • ग्रामीण जीवन पूरी तरह से प्रकृति पर आश्रित • औषधीय गुणों से भरपूर फूल • पेड़-पौधे फोड़े फुंसियाँ ठीक होने में विशेष लाभकारी ग्रामीण परिवेश का वर्णन • पाठ मन पर अमिट छाप छोड़ता है • प्रकृति की और लौटने का संदेश समेटे हुए है	5

>>